Seat No. : _____

NH-116

December-2015

B.A., Sem.-III

CC-201 : Hindi

(आधुनिक हिंदी कविता)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

1. "आँसू" प्रसाद जी के वियोगपरक मार्मिक उद्‌गारों की प्रस्तुति है ।" कथन की पठित पदों के आधार पर चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

पठित कविताओं के आधार पर जयशंकर प्रसाद की काव्य-कला का मूल्यांकन कीजिए ।

2. "निराला की कविताओं में जीवन की भावनाओं का मार्मिक चित्रण यथार्थता से प्रस्तुत है ।" कथन की सतर्क चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

संक्षेप में लिखिए :

(अ) 'जुही की कली' का काव्य-सौन्दर्य

(ब) 'भिक्षुक' - मार्मिक पीड़ा

3. "हरिवंशराय बच्चन जी ने प्रेम और मस्ती के साथ क्रांतिकारी स्वर भी व्यक्त किया है ।" पठित कविताओं के आधार पर कथन की सतर्क चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

'मधुशाला' कविता का भाव बताते हुए उसकी प्रतीक योजना पर प्रकाश डालिए ।

4. पठित कविताओं के आधार पर माखनलाल चतुर्वेदी जी की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए । **14**

अथवा

ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) तरुणाई के प्रथम चरण में जोड़ी टूट गई
फूली हुई रात की रानी, प्रात: रूठ गई ।

(ब) श्वान के सिर हो-चरण तो चाटता है ।
भौंक ले-क्या सिंह को वह डाँटता है ?
रोटियां खायीं कि साहस खो चुका है,
प्राणि हो, पर प्राण से वह जा चुका है ।

5. सूचनानुसार कीजिए : **14**

(अ) हाँ या ना में उत्तर दीजिए ।

(1) 'काव्य कौस्तुभ' के संपादक शिवशंकर पुजारी थे । [ ]

(2) निराला की पत्नी का नाम मनोहरादेवी था । [ ]

(3) माखनलाल चतुर्वेदी ने 'कर्मवीर' पत्रिका का संपादन किया था । [ ]

(4) हरिवंशराय बच्चन को 'मधुशाला' पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला । [ ]

(5) प्रसाद की 14 वर्ष की अवस्था में उनके पिता का देहान्त हुआ था । [ ]

(ब) योग्य विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

(1) _____ का परिवार 'सुंघनी साहू' के नाम से जाना जाता था ।
(निराला, ज.प्रसाद, माखनलाल)

(2) माखनलाल ने _____ पर क्रांतिकारी दल की दीक्षा ली ।
(गऊ घाट, काशी घाट, चित्रकूट घाट)

(3) 'स्नेह निर्झर बह गया है' कविता _____ कवि की है ।
(निराला, ज.प्रसाद, माखनलाल)

(4) ह.बच्चन ने _____ विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की ।
(कैम्ब्रिज, दिल्ली, इलाहाबाद)

(5) मंगला प्रसाद पारितोषिक _____ रचना पर दिया गया ।
(कामायनी, कुकुरमुत्ता, वनवासी)

(क) सही जोड़े मिलाइए ।

	अ	**ब**
(1)	हरिवंशराय बच्चन	'मुझे तोड़ लेना वनमाली, उस पथ पर देना तुम फेंक'
(2)	सूर्यकान्त त्रिपाठी	'नारी तुम केवल श्रद्धा हो'
(3)	माखनलाल चतुर्वेदी	'नर-नारी से भरे जगत में कवि का हृदय अकेला'
(4)	जयशंकर प्रसाद	'औरत की जात रानी, ब्याह भला कैसे हो !'

_____